सिलीगुड़ी, मंगलवार
14 मई, 2024
नगर संस्करण *
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 14

दैनिक जागरण

www.jagran.com

पश्चिम बंगाल, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित

बाइडन ने कालेज परिसरों को सनकी जिहादियों के हवाले कर दिया है : ट्रंप 12

पीओजेके का निश्चित तौर पर भारत में विलय होगा : जयशंकर 12

तेरह वर्ष से लापता भूटानी युवक अपने पिता के साथ स्वदेश लौटा

संवादसूत्र, चामुर्ची : एक भूटानी नागरिक भारत में करीब 13 साल तक लापता होने के बाद सोमवार को अपने पिताजी से मिला। मुलाकात के दौरान बाप-बेटे ने एक दूसरे को गले लगाते हुए अपने स्नेह को व्यक्त किया। चामुर्ची चेक पोस्ट स्थित सामसे भूटान गेट पर भूटानी युवक को लेने उनके पिता नामघे वांगदी आए थे। भूटान की सभी प्रशासनिक एवं कानूनी प्रक्रिया को पूरी करने के बाद वह अपने बेटे फोन्से वांगदी को अपने घर ले गए।

भारत-भूटान सीमा पर पिता के साथ फोनशे वांगदी ● जागरण

उल्लेखनीय है कि 2011 में भूटान से भारतीय सीमा में प्रवेश करने के पश्चात फोनशे वांगदी लापता हो गया था। उसके पिता द्वारा कई जगह तलाश के बाद भी अपने बेटे का कोई सुराग नहीं लगा सके। उन्हें लगा उनका बेटा अब इस दुनिया में नहीं है। लेकिन अचानक फिर से 13 वर्ष बाद उन्हें लापता हुए उनके बेटे को मिलने से उन्हें यकीन ही नहीं हुआ। मुंबई के श्रद्धा रिहैबिलिटेशन फाउंडेशन के समाजसेवी समर बसाक एवं निखिलेश संगड़ा ने इस भूटानी युवक फोन्से वांगदी को लेकर मुंबई के श्रद्धा रिहैबिलिटेशन केंद्र से आए थे। जहां आज उन्होंने इस भूटानी युवक को सुरक्षित उनके पिता को सौंप दिया। श्रद्धा रिहैबिलिटेशन फाउंडेशन के समाजसेवी समर बसाक ने बताया कि यह भूटानी नागरिक अपने पिता के साथ भूटान की राजधानी थिंपू में किसी बेकरी में काम करता था। अचानक अपने पिताजी से अनबन होने के पश्चात यह युवक भारतीय सीमा में प्रवेश कर भाग गया। कई वर्षों तक दक्षिण भारत के चेन्नई में इस लड़के ने होटल में काम किया। कोविड महामारी के समय जब यह युवक रोजगार विहीन हो गया, तो मानसिक रूप से काफी बीमार पड़ गया। किसी ने इस लड़के को सड़क पर पड़ा हुआ मिला। एवं इस भूटानी नागरिक को चेन्नई के एक मानसिक अस्पताल में लाया गया।